Roll No. ..... Total Pages : 4

MDQ/M-21 **11528**

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Paper–VI

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) रसना कहौं जो कहौं जो कह रस बाता।
अंब्रित वचन सुनत मन राता।।
हरै सो सुर चात्रिक कोकिला।
सुनिवन बैन लाजि छपि जाहिं।।
भरे प्रेम मधु बोला। सुनै सो माति धुर्मि के डोला।।

अथवा

कातिक सरद चंद उजियारी। जग सीतल हौं बिरहैं जारी।।
चौदह करा चाँद परगासू। जानहुँ जरें सब धरति अकासू।।
तन मन सेज करै अगिडाह। सब कहँ चाँद मोहि होइ राहू।।
चहूँ खण्ड लागै अंधियारा। औं घर नाहिन कंत पियारा।।

(ख) पाट महादेइ हिएँ न हारू। समुझि जीउ चित चेतु सँभारू।।
भंवर कंवल संग होइ न परावा। सँवरि नेह मालति पहँ आवा।।
पीउ सेवाति सौं जैस पिरीति। टेकु पियास बाँधु जिय थीति।।
धरती जैसे गगन के नेहा। पलटि भरे बरखा रितु मेहा।।

अथवा

झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजत काननि छवै।
हँसि बोलन मैं छवि-फूलन की वरषा, उर-ऊपर जाति है।
लटलोट कपोल कलोल करै, कल कंठ बनी जलजावलि द्वै।
अंग-अंग तरंग उठै दुति की, परि है मनौ रूप अबै धर च्वै।

(ग) हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समाने।
नीर सनेही को लाय अलंक निरास है कायर त्यागत प्रानै।
प्रीति की रीति सु क्यों समुझै जड़ मीत के पानि परें कों प्रमानै।
या मन की जु दसा घन आनंद जीव की जीवनि जान ही जानै।।

अथवा

सोएँ न सोयबो जागे न जाग, अनोशियै लाग सु आँखिन लागी।
देखत फूल पै भूल भरी यह सूल रहै नित ही चित जागी।
देख जान सजीवनि मूरति रूप-अनूप महारस पागी।
कौन बियोग-दसा घनआनँद मो मति-संग रहै अति खागी।।

(3×7=21)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) सूरदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भ्रमरगीत के वाग्वैदग्ध्य का विवेचन कीजिए।

(ख) कृष्ण काव्यधारा में सूरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

सूरदास के श्रृंगार-वर्णन का सिंहावलोकन कीजिए।

(ग) भ्रमरगीत परम्परा में सूरदास के भ्रमरगीत का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

सूरदास के सौंदर्य बोध की विवेचना कीजिए। (3×12=36)

3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर दीजिए :

(क) वर्तमान संदर्भ में संत रैदास की प्रासंगिकता।

(ख) संत रविदास की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

(ग) रहीम की भाषा व शैली पर प्रकाश डालिए।

(घ) रहीम के काव्य का परिचय दीजिए।

(ङ) केशवदास के आचार्यत्व पर प्रकाश डालिए।

(च) केशवदास की रामचंद्रिका की संवाद-योजना पर प्रकाश डालिए।

(छ) भूषण की राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

(ज) भूषण की रचनाओं का परिचय दीजिए।

(झ) गुरु गोविन्द सिंह के भक्ति विषयक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(ञ) गुरु गोविन्द सिंह के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

(5×3=15)

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) पद्मावत में कितने खण्ड हैं?

(ख) राजा रत्नसेन कहाँ के राजा थे?

(ग) घनानंद का काव्य किस भाषा में रचित है?

(घ) घनानंद किस राजा के दरबारी कवि थे?

(ङ) वल्लभाचार्य से भेंट से पहले सूरदास किस प्रकार के पदों की रचना करते थे?

(च) सूरदास किस मंदिर में कीर्तन किया करते थे?

(छ) जायसी किस काव्यधारा के कवि थे?

(ज) सूरसागर कितने स्कन्धों में विभाजित हैं? (8×1=8)